ई-टोकन व्यवस्था : 65,648 टोकन लैप्स, सिर्फ 1 .27 लाख को मिली खाद

बैतूल। ई-टोकन व्यवस्था किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए लागू की गई है, लेकिन यह व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी बन गई है। इसके पीछे कारण ई-टोकन की वैधता की निर्धारित समय अवधि है।

ई-टोकन व्यवस्था किसानों के लिए बनी परेशानी

72 घंटे तक ही रहती है टोकन की वैधता

यदि किसान समय सीमा में खाद नहीं लेते है तो ई-टोकन लैप्स हो जाते है। जिसके बाद किसानों को दोबारा ई-टोकन जनरेट करना पड़ता है। जिससे किसान परेशान है। कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में अब तक 2 लाख 620 ई-टोकन जारी किए गए हैं। इनमें से 1 लाख 27 हजार 564 टोकन पर खाद का वितरण किया गया है, जबकि 65 हजार 648 टोकन लैप्स हो गए। किसानों ने बताया कि पहले ई-टोकन की वैधता केवल 48 घंटे थी। इस अवधि में किसान को टोकन जनरेट कराना, आवंटित केंद्र तक पहुंचना, परिवहन की व्यवस्था करना और लंबी कतार में लगकर खाद लेना पड़ता था। खेतों में बोनी का दबाव, बारिश की अनिश्चितता और ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बीच यह व्यवस्था किसानों के लिए आसान नहीं थी। हजारों टोकन लैप्स होने के बाद अब शासन ने अवधि बढ़ाकर 72 घंटे कर दी है, लेकिन इस अवधि में भी किसान दुकान या सोयायटी नहीं पहुंच पा रहे है।

किसानों का कहना है कि जब टोकन में उनके गांव या नजदीकी केंद्र के बजाए दूसरे विकासखंड की सोसायटी अथवा निजी दुकान का पता दिया जाएगा, तो सीमित समय में वहां पहुंचना संभव नहीं है।

खाद लेने नहीं पहुंचे इसलिए लैप्स हुए टोकन : विभाग का कहना है कि किसान निर्धारित समय में सोसायटी या दुकान तक खाद लेने नहीं पहुंचे, जिसकी वजह से टोकन लैप्स हो गये। किसानों ने बताया कि सर्वर धीमा होने के कारण कई किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। गांवों में तकनीकी संसाधन सीमित होने से किसान साइबर कैफे का सहारा लेते हैं, जहां एक टोकन के लिए करीब 30 रुपए तक खर्च करना पड़ता है। आंकड़ों में यह दावा सही हो सकता है, लेकिन वितरण की मात्रा बढने भर से व्यवस्था किसान हितैषी नहीं हो जाती। असली कसौटी यह है कि किसान को खाद कब, कहां और कितनी आसानी से मिल रही है।

> ई-टोकन को लेकर किसानों को आ रही समस्याओ को देखते हुए शासन ने ई-टोकन की वैधता को बढ़ाकर तीन दिन कर दिया है। पिछले साल के लगभग समतुल्य खाद का वितरण किया जा चुका है। हमारा प्रयास है कि जिले में किसानों को खाद की कमी नही होनी पाए।
>
> **- रामगोपाल रजक, उप संचालक कृषि विभाग बैतूल**

दूसरे ब्लॉक की दुकानों का मिल रहा टोकन

सरकार ने ई-टोकन व्यवस्था किसानों की सहुलियत के उद्देश्य से लागू की थी लेकिन यह व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रही है। सबसे बड़ी परेशानी तो यह है कि ई- टोकन में जिस दुकान का पता दिया जा रहा है वह अन्य विकासखंड या दूर की होने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह है कि चांदबेला ग्राम में रहने वाले किसानों को खाद के लिए शाहपुर ब्लाक की खाद दुकानें का पता दिया गया। ऐसे में किसानों का समय और धन दोनों खर्च हो रहे है। किसान गुणवंत ने बताया कि 18 बोरी खाद के लिए उन्हें भीमपुर से शाहपुर आना पड़ा। इसके बाद उन्हें शाहपुर से बीजादेही का रास्ता दिखाया गया। इससे नाराज किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर नाराजगी भी जाहिर की।

65153 एमटी बांटी खाद, 26900 स्टॉक

जिले में खाद के भंडारण के आंकड़े भी उपलब्धता का दावा मजबूत करते हैं। कृषि विभाग के अनुसार जिले को अब तक 92053 मेट्रिक टन खाद मिल चुकी है, जिसमें से विभाग ने 65253 मेट्रिक टन खाद का वितरण कर दिया है, वहीं 26900 मेट्रिक टन खाद का स्टॉक विभाग के पास उपलब्ध है। बताया जा रहा है कि यूरिया का 56420 एमटी भंडारण किया गया था, जिसमें से 42518 एमटी यूरिया का वितरण किया गया, वहीं 13902 एमटी यूरिया स्टॉक में मौजूद है। इसी तरह एसएसपी 11804 एमटी भंडारण किया था, इसमें से 5239 एमटी खाद का वितरण एवं 6565 एमटी उपलब्ध है। डीएपी का 7987 भंडारण, वितरण 7656 एवं 331 स्टॉक शेष है। एमओपी 2811 एमटी भंडारण किया था। वहीं 1519 एमटी का वितरण और 1292 एमटी स्टॉक उपलब्ध है। एनपीके का 13031 एमटी भंडारण किया था। जिसमें 8221 एमटी वितरण और 4810 एमटी स्टॉक उपलब्ध है। पिछले वर्ष 1 अप्रैल 2025 से 30 सितंबर 2025 तक 106009 एमटी खाद का विक्रय किया था, इसे देखते हुए इस बार 1 लाख 27 हजार 400 एमटी खाद की मांग भेजी गई है।

एक नजर में

पिछले 24 घंटे में औसतन 7 .4 मिमी वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान औसतन 7 .4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक, भू-अभिलेख ने बताया कि 4 जुलाई प्रातः 8 बजे से 5 जुलाई प्रातः 8 बजे तक जिले के विभिन्न वर्षामापी केंद्रों पर वर्षा रिकॉर्ड की गई। उन्होंने बताया कि बैतूल में 12 .4 मिमी, घोड़ाडोंगरी में 13 .0 मिमी, चिचोली में 10 .2 मिमी, शाहपुर में 13 .2 मिमी, मुलताई में 8 .0 मिमी, प्रभात पट्टन में 11.2 मिमी, आमला में 6 .0 मिमी, भैंसदेही में 0 .0 मिमी, आठनेर में 0 .0 मिमी तथा भीमपुर में 0 .0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में वर्षा ऋतु 2026-27 में अब तक औसतन 243 .5 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

कासिया मार्ग पर कीचड़ से फिसल रहे वाहन

बैतूल। मानसून की शुरुआत के साथ ही ग्रामीण सड़कें लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई हैं। परतवाड़ा-दादुढाना मार्ग से जुड़ा बरेठा-कासिया संपर्क मार्ग भी इसी समस्या से जूझ रहा है। लगभग पांच किलोमीटर लंबा यह मार्ग पूरी तरह जर्जर और कीचड़ से भरा है, जिससे वाहनों का निकलना जोखिम भरा हो गया है। यह मार्ग ताप्ती नदी के पुल के पास से गुजरता है, जिससे बरसात में दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। सड़क की खराब हालत के कारण वाहनों के साथ-साथ पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। इस मार्ग से प्रतिदिन ग्रामीण, किसान, विद्यार्थी और कर्मचारी आवागमन करते हैं। यहां तक कि रोजाना दो बसों का संचालन भी होता है। समाजसेवी विनेश बारस्कर ने हाल ही में एक घटना बताई। बैतूल से अपने गांव लौटते समय उनकी गाड़ी इसी मार्ग पर फिसलकर नदी की ओर बढ़ने लगी थी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को सुरक्षित बाहर निकाला। बारस्कर ने कहा कि यदि ग्रामीण समय पर मदद के लिए नहीं पहुंचते तो बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों के अनुसार, यह सड़क परतवाड़ा-दादुढाना मार्ग को चांदू, भैंसदेही और नान्दा रोड से जोड़ने वाला एक प्रमुख संपर्क मार्ग है। वर्षों से इसकी मरम्मत और निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। बरसात में पूरी सड़क कीचड़ में बदल जाती है, जिससे हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

डेस्क युक्त स्कूल बैग बच्चों के स्वास्थ्य में होंगे सहायक : उइके

बैतूल। भारत सरकार के उपक्रम हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एचपीसीएल द्वारा अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर के तहत यूनिसेड संस्था के सहयोग से 5 जुलाई को जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के अटल सभागार में स्कूल बैग विद एजुकेशनल डेस्क वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री एवं बैतूल संसदीय क्षेत्र के सांसद दुर्गादास उइके, घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार उपस्थित थे। इस अवसर पर भारत सरकार के खान मंत्रालय के नीति सलाहकार तथा राजभाषा समिति के सदस्य अवनीश त्रिपाठी, अपर कलेक्टर वंदना जाट, जिला शिक्षा अधिकारी पूनम वरकड़े भी उपस्थित थी। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने बच्चों को डेस्क युक्त बेग वितरित किए। शेष बचे जिले के 27 हजार 778 बच्चों को स्कूल में डेस्क युक्त स्कूल बैग वितरित किए जाएंगे। स्कूल बैग विद एजुकेशनल डेस्क वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने कहा कि डेस्क युक्त स्कूल बैग बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी और नवाचारपूर्ण पहल है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए डेस्क युक्त स्कूल बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि बच्चे कहीं भी सुविधापूर्वक बैठकर अध्ययन कर सकें। भारत सरकार के खान मंत्रालय के नीति सलाहकार तथा राजभाषा समिति के सदस्य अवनीश त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं निपुण भारत कार्यक्रम 2023 के अंतर्गत शिक्षा और स्वास्थ्य को सुदृढ़ और बेहतर बनाने के लिए राज्य और केंद्र स्तर पर बच्चों के लिए कई शैक्षणिक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

बैतूल। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा स्वैच्छिकता पर्व अभियान के अंतर्गत ग्राम कान्हावाड़ी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्राम अर्जुनगोंदी में 15 जामुन के पौधों का रोपण किया गया तथा 25 सागौन के पौधों के आसपास सफाई कर संरक्षण के लिए थाले बनाए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों के संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में कान्हावाड़ी के सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र उइके, जिला समन्वयक संतोष सिंह राजपूत, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के जोधा धुर्वे, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इसी अवसर पर वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सीमांकन कार्य का भी शुभारंभ किया गया। अर्जुनगोंदी, पिपरी एवं कान्हावाड़ी क्षेत्र के ग्रामीणों ने पैदल भ्रमण कर वन भूमि के सीमांकन की प्रक्रिया प्रारंभ की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पौधों की देखभाल, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन का संकल्प लिया।

बारिश में बही सोयाबीन फसल सर्वे और मुआवजे की मांग

बैतूल। भीमपुर तहसील के ग्राम धामदेही में लगातार तीन दिनों की मूसलाधार बारिश से गाड़ाघाट नदी उफान पर आ गई। नदी का पानी खेतों में घुसने से दो दर्जन से अधिक किसानों की खड़ी सोयाबीन समेत खरीफ फसलें बह गईं। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से तत्काल नुकसान का सर्वे कर राहत राशि और मुआवजा देने की मांग की है। भीमपुर क्षेत्र में अब तक 176 मिमी बारिश दर्ज की गई है। हालांकि धामदेही और आसपास के क्षेत्रों में इससे भी अधिक वर्षा होने के कारण गाड़ा घाट नदी में बाढ़ आ गई। तेज बहाव के चलते नदी का पानी खेतों में भर गया और कई किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। ग्राम धामदेही के किसान शंकर धुर्वे, मानसिंह धुर्वे सहित अन्य प्रभावित किसानों ने बताया कि सालभर की मेहनत कुछ ही घंटों में बाढ़ के पानी में बह गई। उनका कहना है कि हर साल बाढ़ से खेतों को नुकसान होता है, लेकिन आज तक इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। लगातार बारिश के कारण गाड़ा घाट नदी पर बनी पुलिया भी जलमग्न हो गई। इससे आशापुर-खंडवा मार्ग करीब दो दिनों तक बंद रहा। सड़क बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

करोड़ की लागत से बनी सड़क दो साल में उखड़ी

पाथाखेड़ा। नगर पालिका परिषद सारनी के पाथाखेड़ा क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से निर्मित सड़क निर्माण कार्य अब गंभीर सवालों के घेरे में आ गया है। सिविल ऑफिस से सारनी एबी टाइप तक बनाई गई यह सड़क निर्माण के महज दो वर्षों के भीतर ही जगह-जगह से उखड़ने लगी है। सड़क की खस्ता हालत ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी निरीक्षण और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान भारी अनियमितताएं की गईं तथा इंजीनियर और ठेकेदार की मिलीभगत के चलते घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। प्रारंभ से ही निर्माण कार्य को लेकर शिकायतें सामने आती रहीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया। अब स्थिति यह है कि सड़क कई स्थानों पर टूटकर गड्ढों में तब्दील होती दिखाई दे रही है, जिससे आम नागरिकों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद सड़क की गुणवत्ता इतनी कमजोर रही कि थोड़ी बारिश और नियमित आवागमन में ही उसकी परतें उखड़ने लगीं। कई स्थानों पर सड़क पर पैचवर्क और ठिग्गे लगाए गए हैं।

भाजपा कार्यालय में मासिक बैठक की गई आयोजित

मुलताई। नगर के भाजपा कार्यालय में रविवार सुबह 11 बजे से भारतीय जनता पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। भाजपा मीडिया प्रभारी रामचरण मालवीय ने बताया सोमवार सुबह 11 भारतीय जनता पार्टी मुलताई मंडल की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत भारत माता, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश पवार, नगर मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, पूर्व नपा अध्यक्ष एवं नपा सभापति डॉ जी ए बारस्कर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल प्रशिक्षण के विधानसभा प्रभारी एवं नगर मंडल सह प्रभारी तुलसीराम बारस्कर, नपा सभापति महेंद्र जैन उपस्थित रहे।बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय डिजिटल प्रशिक्षण विधानसभा प्रभारी तुलसीराम बारस्कर ने कहा की सभी कार्यकर्ताओ को डीजिटल प्रशिक्षण लेना आवश्यक है, जिसमे प्रशिक्षण लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त करना है। अभी डीजिटल प्रशिक्षण में मुलताई मंडल बेहतर रूप से कार्यकर्ता के मेहनत से आगे चल रहा है।

मोहनलाल धुर्वे पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष बने

बैतूल। संघे शक्ति कलियुगे के मूल मंत्र को साकार करते हुए मप्र पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष पद का निर्वाचन सम्पन्न हुआ। संगठन की एकता, अनुशासन और संप्रभुता का परिचय देते हुए सभी पटवारी साथियों ने सर्वसम्मति से मोहनलाल धुर्वे को निर्विरोध जिला अध्यक्ष निर्वाचित किया। निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन संभागीय अध्यक्ष नर्मदापुरम कन्हैया व्यास के मार्गदर्शन में निर्वाचन अधिकारी सुखराम सिरसाम द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर संघ के संरक्षक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष जितेंद्र पवार,वर्तमान कार्यकारी जिलाध्यक्ष अवधेश वर्मा प्रांत टीम से केशव कांत कोसे एवं दिलीप करोचे सहित जिले की सभी तहसीलों के तहसील अध्यक्ष तथा जिले के लगभग चार सौ से अधिक पटवारी साथी उपस्थित रहे। इस मौके पर मोहनलाल धुर्वे ने कहा कि उनकी प्राथमिकता जिले के पटवारियों के वर्तमान के सभी ज्वलंत मुद्दों के प्रभावी समाधान पर रहेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रत्येक पटवारी की समस्या को संगठन की समस्या मानते हुए उसका समाधान करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे।

अज्ञात मृतक का राष्ट्रीय हिंदू सेना ने किया अंतिम संस्कार

बैतूल। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए एक अज्ञात वृद्ध की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। दो दिनों तक कोतवाली पुलिस, खेड़ी सांवलीगढ़ पुलिस एवं जिला अस्पताल पुलिस द्वारा मृतक की पहचान कराने के लगातार प्रयास किए गए, लेकिन कोई परिजन या परिचित सामने नहीं आया। इसके बाद राष्ट्रीय हिंदू सेना ने एक बार फिर मानवता का परिचय देते हुए मां माचना मोक्ष धाम में पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ मृतक का सम्मानजनक अंतिम संस्कार कराया। जानकारी के अनुसार 3 जुलाई की रात्रि 3ः54 बजे 108 एंबुलेंस द्वारा सड़क दुर्घटना में घायल एक अज्ञात व्यक्ति को नेशनल हाईवे से जिला अस्पताल बैतूल लाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में भर्ती किया गया। उपचार के दौरान 4 जुलाई की सुबह 5ः55 बजे उसकी मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी एएसआई जयपाल सिंह रघुवंशी ने बताया कि 4 जुलाई को उनकी मौजूदगी में मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक की आयु लगभग 65 वर्ष, लंबाई लगभग 5 फीट तथा दाढ़ी बड़ी हुई थी। दो दिनों तक कोतवाली पुलिस, खेड़ी सांवलीगढ़ पुलिस एवं जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन कोई भी परिजन या पहचानकर्ता सामने नहीं आया। इसके बाद राष्ट्रीय हिंदू सेना ने मां माचना मोक्ष धाम में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उसका अंतिम संस्कार कराया गया। जिला अस्पताल से मोक्ष धाम तक माझी एंबुलेंस संचालक दुर्गेश किरोदे की एंबुलेंस के सहयोग से शव को लाया गया। राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने कहा कि संगठन लंबे समय से अज्ञात मृतकों का अंतिम संस्कार का कार्य कर रहा है।

सम्मेलन भाजपा का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

देश में राष्ट्रवाद की स्थापना करने वाले डॉ .श्यामाप्रसाद मुखर्जी : सिंह

बैतूल। 23 जून से 6 जुलाई डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी की 125 वीं जन्मजयंती संस्मरण पक्ष मे आयोजित रविवार को जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन स्थानीय मैरीज गार्डन में संपन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के मंत्री व मुख्यवक्ता राव उदयप्रताप सिंह ने कहा कि आजादी के बाद गठित सरकार में मंत्री रहने के बाद भी राष्ट्रवाद के लिए डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी के त्याग को हम सभी जानते है। देश में राष्ट्रवाद की स्थापना करने वाले डा.मुखर्जी जी ने जिस विचार धारा के साथ जनसंघ की स्थापना की वे संकल्प आज मोदी जी के नेतृत्व में सीद्व हो रहे है। वह तारीख 5 अगस्त 2019 थी जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया श्री सिंह ने कहा कि दो विधान, दो निशान और दो प्रधान के खिलाफ संघर्ष करते हुए डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। लेकिन उनके विचार और संघर्ष के चलते जनसंघ से भाजपा तक का सफर हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्म निर्भर भारत की बुनियाद भी मुखर्जी जी के पहले उघोग मंत्री रहते रखी गई थी। वही दुनिया में सबसे समृद्व राष्ट बनने का लक्ष्य मोदी जी ने 2047 रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण परिश्रम के साथ सभी कार्यकर्ताओं को जुटकर इस संकल्प की भी सिद्वी करनी है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उइके ने कहा कि डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारत की एकता और अखंडता के महान प्रहरी थे। जीवन में राष्ट्रहित को सर्वोपरी रखने ,सांस्कृतिक जनचेतना को सशक्त करने और सेवा समर्पण के भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा हमें मुखर्जी जी के व्यक्तित्व से मिलती है। श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी के सपनो को पूरा करने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिन रात जुटे हुए है। अखंड भारत का निर्माण और काश्मीर को भारत का अंग बनाना मुखर्जी जी का सपना था जिसे मोदी जी ने पूरा किया है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी एवं पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि पूरा पखवाडा अपने नवाचारो के लिए प्रदेश में पहचान बनाने वाला रहा है। कार्यक्रमो की सफलता के साथ साथ समीक्षा करते हुए हमें आगामी कार्यक्रमो को भी बेहतर ढंग से करना है हर बूथ पर ग्यारह ग्यारह प्रशिक्षित कार्यकर्ताओ की टोली हो तो हर कार्यक्रम सफल होते है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि अंतरीम केन्द्रीय सरकार मे महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसे नेताओ ने डा.मुखर्जी जी के प्रवेश पर समावेश का समर्थन किया।

पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट से छूट देने की मांग

बैतूल। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले वर्ष 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर बैतूल जिले के शिक्षा विभाग के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने संयुक्त मोर्चा के बैनर तले एकजुट होकर आवाज बुलंद की। रविवार 5 जुलाई को संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने अनुसूचित जनजाति केंद्रीय राज्य मंत्री डी.डी. उइके के गृह निवास पहुंचकर उन्हें ज्ञापन सौंपा और केंद्र सरकार से इस संबंध में नया अध्यादेश पारित कराने का आग्रह किया। ज्ञापन में मांग की गई कि वर्ष 2010 के पूर्व से नियुक्त शिक्षकों को टेट परीक्षा की बाध्यता से मुक्त किया जाए तथा संसद के आगामी मानसून सत्र में इस संबंध में नया अध्यादेश लाकर लंबे समय से लंबित मांग का समाधान किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है। संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष सचिन राय, भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष पंजाब गायकवाड, आदर्श शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कटारे, ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष प्रवीण नरवरे, पुरानी पेंशन बहाली के जिला अध्यक्ष रवि सरनेकर, राज्य अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष भीमराव धोटे, आजाद अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष विनय सिंह राठौड़, मुकेश उपराले, योग शिक्षक रंजीत धुर्वे सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।